वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 89 | बुधवार 23 जुलाई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

श्रद्धा, सेवा और सम्मान की यात्रा-वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना

56 हजार वरिष्ठजनों को मिलेगा तीर्थयात्रा का अवसर

23 जुलाई को जयपुर से रामेश्वरम्-मदुरई के लिए रवाना होगी ट्रेन

अगले चरण के लिए 10 अगस्त तक किए जा सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

जयपुर. कासं

बुजुर्ग समाज का वह स्तंभ होते हैं जिनके अनुभव और ज्ञान से एक सभ्य और सशक्त राष्ट्र की नींव रखी जाती है। जीवन की संध्या बेला में उन्हें मानसिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक सुकून की अनुभूति हो सके, इसी भावना के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ''वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना'' संचालित की जा रही है जो सेवा और सम्मान का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह योजना उस 'ऋण' को चुकाने का प्रयास है जो हर पीढ़ी अपने पूर्वजों के प्रति महसूस करती है। यह योजना राजस्थान के उन वरिष्ठ नागरिकों को एक बार निःशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान करती है, जिनकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक है और आयकरदाता नहीं है। योजना के तहत सरकार न केवल उनकी यात्रा का समस्त खर्च वहन करती है बल्कि सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधा सम्पन्न यात्रा भी सुनिश्चित करती है।

56 हजार वरिष्ठजन को मिलेगा तीर्थयात्रा का अवसर

राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप इस बार कुल 56 हजार वरिष्ठजन को तीर्थयात्रा का अवसर मिलेगा। इनमें से 50 हजार को एसी ट्रेन व 6 हजार को हवाई जहाज से यात्रा कराई जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत 6 जून को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025-26 का फीता काटकर शुभारंभ किया था। उन्होंने योजना के तहत प्रथम वातानुकूलित ''राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन'' को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस एसी ट्रेन से वरिष्ठ नागरिकों ने रामेश्वरम एवं मदुरई के तीर्थ स्थलों की यात्रा की। 23 जुलाई (बुधवार) को भी एक अन्य ट्रेन जयपुर से रामेश्वरम्-मदुरई के लिए रवाना हो रही है। योजना के अगले चरण के तहत देवस्थान विभाग ने फिर से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसके तहत विभाग की वेबसाइट पर 10 अगस्त तक आवेदन किया जा सकेगा। जिस यात्री का चयन विगत वर्षों में हो गया और वे स्वेच्छा से यात्रा पर नहीं गए, उन्हें इस बार शामिल नहीं किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात जिला स्तर पर गठित समिति पात्र लोगों का चयन करेगी। यात्रा के लिए 100 प्रतिशत अतिरिक्त यात्रियों की प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जाएगी। चुने गए पात्र लोगों को यात्रा पर भेजा जाएगा।

15 रेलमार्गों द्वारा लगभग 40 तीर्थस्थलों के हो सकेंगे दर्शन

इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को हवाई यात्रा के माध्यम से नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करवाए जाएंगे। वहीं रेल यात्रा के द्वारा 15 रेलमार्गों के जरिए लगभग 40 तीर्थस्थलों के दर्शन करने का अवसर मिलेगा। इस बार स्वर्ण मंदिर के अतिरिक्त सिख धर्म के अन्य तीर्थ स्थलों हजूर साहिब (महाराष्ट्र) व पटना साहिब (बिहार) को भी शामिल किया गया है। वरिष्ठजन हरिद्वार, ऋषिकेश, अयोध्या, वाराणसी, सारनाथ, सम्मेदशिखर, पावापुरी, मथुरा, वृंदावन, बरसाना, आगरा, द्वारिकापुरी, नागेश्वर, सोमनाथ, तिरूपति, पदमावती, कामख्या, गुवाहाटी, गंगासागर, कोलकाता, जगन्नाथपुरी, कोणार्क, रामेश्वरम, मदुरई, वैष्णोदेवी, अमृतसर, वाघा बॉर्डर, महाकालेश्वर, उज्जैन-ओंकारेश्वर, त्रयम्बकेश्वर, घृष्णेश्वर, एलोरा, बिहार शरीफ, पटना साहिब, हजूर साहिब नांदेड़ तथा गोवा के मंदिर व अन्य स्थल चर्च आदि की यात्रा कर सकेंगे। यात्रा के दौरान बुजुर्गों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, भोजन और सहयात्रियों के साथ गरिमामयी व्यवहार का विशेष ध्यान रखा जाता है। ट्रेन में डॉक्टर तथा पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा भी मिलती है। इसके अलावा सभी यात्रियों के ठहरने के लिए होटल, ट्रांसपोर्ट व मंदिर दर्शन की सुविधा के साथ साथ यात्रियों के लिए सुबह-शाम के खाने व नाश्ते की व्यवस्था भी देवस्थान विभाग की ओर से उपलब्ध करवाई जाती है। तीर्थयात्रा के लिए ले जाने वाली ट्रेनों के डिब्बों पर राजस्थानी लोक नृत्य, लोक कलाएं, तीज त्यौंहार के साथ ही राजस्थान के मंदिर, दुर्ग, अन्य पर्यटक स्थल व अभयारण्य भी दर्शाए गए हैं। इनके माध्यम से राजस्थान की कला और संस्कृति की झलक मिलती है। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि यह सरकार की संवेदनशीलता, जवाबदेही और सामाजिक सरोकार को दशार्ती है। राजस्थान सरकार ने इस योजना को केवल एक 'यात्रा' तक सीमित नहीं रखा बल्कि इसे एक भावनात्मक और आत्मिक पुनरुत्थान की प्रक्रिया बना दिया है।

प्रथम कार्यकारिणी बैठक एवं जैन मिलन शाखा का 25वां स्थापना दिवस कार्यक्रम संपन्न

सागर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्र.10 की, प्रथम कार्यकारिणी की बैठक,श्री दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र पटेरिया जी गढ़ाकोटा जिला सागर में, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतिवीर कमलेन्द्र जैन, विशिष्ट श्रीमती शिल्पी भार्गव, श्रीमती प्रतिष्ठा जैन डिप्टी कमिश्नर, अध्यक्षता वीर अरुण चंदेरिया क्षेत्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यक्रम का प्रारंभ महावीर प्रार्थना से हुआ,सर्वप्रथम चित्रावरण जैन तीर्थ क्षेत्र पटेरिया जी अध्यक्ष चौ.विमल जैन, मंत्री महेंद्र सेठ ने किया। दीपप्रवज्लन वीरांगना मनी जैन,मंजू जैन, सुमन जैन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर.के. जैन,कार्य अध्यक्ष वीर जिनेश बहरोल,संजय जैन शक्कर, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर मनीष विद्यार्थी, मंजू सतभैया, श्रीमती कविता जैन मंत्री, जिनेश जैन डब्बू, ऋषभ जैन स्टेशन मास्टर, प्राचार्य राकेश जैन एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। मंचासीन अतिथियों का सम्मान साल,श्रीफल स्मृति चिन्ह से किया गया। उपस्थित सभी शाखाओं के अध्यक्ष मंत्रियों एवं उपस्थित सदस्यों का सम्मान तिलक अंगवस्त्र से किया गया। स्वागत भाषण महिला मिलन अध्यक्ष संगीता जैन ने दिया, 3 माह की रिपोर्ट प्रस्तुत क्षेत्रीय मंत्री वीरांगना कविता जैन ने दी। महिला जैन मिलन गढ़ाकोटा द्वारा स्वच्छता अभियान पर एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। अतिथियों का सम्मान अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह से किया गया। कार्यक्रम का संचालन वीरांगना श्रीमती मंजू जैन, अंशु जैन ने किया। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण किया गया,जिसमें एक वृक्ष तीर्थ रक्षा के नाम से सभी ने एक-एक वृक्ष लगाकर उसकी सेवा करने का संकल्प लिया। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र 10 की कोर कमेटी के सभी सदस्यों ने द्वितीय बैठक में प्रथम बैठक कि समीक्षा कि एवं, आगे के कार्य की रूपरेखा प्रस्तुत की और सभी को अपनी जिम्मेदारी सक्रिय रूप से निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। सभी मंचासीन अतिथियों ने अपने उद्बोधन में भारतीय जैन मिलन के कार्यों एवं इसकी समाज के लिए उपयोगिता के विषय में बताया। विशिष्ट अतिथि शिल्पी भार्गव ने कहां कि भारतीय जैन मिलन के कार्य समाज हित में है। आप लोगों की उपस्थिति इसका प्रमाण है। आज धन से ज्यादा समय महत्वपूर्ण है, और आप लोगों ने समय देकर, हमारे नगर की बहनों का उत्साहवर्धन किया आप सभी का अभिनंदन। डिप्टी कमिश्नर श्रीमती प्रतिष्ठा जैन ने कहा कि महिला जैन मिलन गढ़ाकोटा की बहनों द्वारा बहुत ही कम समय में, इतना सुसज्जित कार्यक्रम करना, आज इस बात को निश्चित करता है की महिलाएं भी समाज के कार्यों में आगे बढ़कर भाग लेती है, और आज इसकी अति आवश्यकता है।

प्रेषक : मनीष जैन विद्यार्थी

जेएसजी सनशाइन संगिनी फोरम द्वारा सेवा कार्य संपन्न

बच्चों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जेएसजी सनशाइन संगिनी फोरम ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, भोपालगढ़ लगेतखेड़ा पंचायत में एक प्रेरणादायक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर जरूरतमंद विद्यार्थियों को 200 कॉपियां और पेंसिल सेट वितरित किए गए, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम में रश्मि सुराणा द्वारा विद्यालय को एक माइक सेट भी भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। यह माइक सेट भविष्य में विद्यालय के आयोजनों को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगा। क्लब अध्यक्ष सुमिता बाबेल ने इस अवसर पर कहा, ''सेवा के माध्यम से शिक्षा को सशक्त बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है।'' वहीं, क्लब सचिव ईशा कोठारी ने अपने विचार साझा करते हुए बताया, ''हमारा प्रयास रहेगा कि इस प्रकार के सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहें।'' कार्यक्रम के अंत में बच्चों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई, जिसने उनके अनुभव को और भी सुखद बना दिया। **सक्रिय सहभागिता:** इस सेवा कार्य में क्लब की अनेक सदस्याओ प्रीति डेडिया, निकिता नाहटा, सीमा साखला, शोभा मेहता, नेहा श्रीश्रीमाल, सोनू बोहरा, रूपल श्रीश्रीमाल, तारा जी खींचा, रश्मि बाबेल, खुशी बाबेल, रचना जैन, रेखा चपलोत की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में लगेतखेड़ा पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी सुआलाल सिन वासिया, प्रधानाचार्य प्रशांत तत्वेदी, श्रीमती गरिमा रावत, वरिष्ठ अध्यापक जसवंत सिंह, भवानी सिंह, चेतन सिंह रावत सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। ग्रामवासियों में मोहन सिंह, बहादुर सिंह रावत, रंजीत सिंह रावत, अर्जुन सिंह, सरदार सिंह, चंदन सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था प्रधान श्रीमती धीरज जैन द्वारा किया गया, जिन्होंने समस्त अतिथियों एवं सहभागियों का सद्भावपूर्वक आभार व्यक्त किया।

"हमें हमारे विचारों का थर्मामीटर मापना जरूरी है"

आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज ने लेश्या के विषय में बताया। उन्होंने कहा मन की अंतस चेतना में आने वाले भाव लेश्या है यदि शुभ के भाव आते हैं तो वह शुभ लेश्या है। अशुभ के भाव आते है तो अशुभ लेश्या है उन्होंने कहा कि हम अंतस चेतना से अपने बारे में सोचते हैं दूसरे के बारे में नहीं लौकिक जीवन कहता है कि दूसरे के बारे में भी सोचें यदि नहीं सोचते हैं तो नुकसान हमारा है इसे स्वार्थ एवं अज्ञानता कह सकते हैं। हम बुद्धि लेकर आए है लेकिन हम विद्या का प्रयोग करते हैं। जीवन कंप्यूटर लैपटॉप गूगल नहीं है। जीवन में बुद्धि का प्रयोग जरूरी है यदि हम बुद्धि का प्रयोग करेंगे तो अज्ञान का काम नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई समय नहीं है जब हमारे अंतस चेतना में भाव उत्पन्न नहीं होते हैं हम दुनिया का चक्कर लगा लेते हैं हमारे पास कंट्रोल पावर नहीं है हमारे शराब का त्याग है का त्याग है फिर भी हम उसके बारे में सोचते हैं जो हमें पसंद नहीं हम वह भी सोच लेते हैं मन के द्वारा हम कहीं भी पहुंच जाते हैं हमारे मन में कंट्रोल नहीं। उन्होंने कहा कि हर चीज का माप होता है दूध आदि कोई भी पदार्थ हो सबका एक माप होता है। जैन दर्शन कहता है की हमें हमारे विचारों और भावों को मापते रहना चाहिए समझते रहना चाहिए सार्थक तब होगा जब हम अपने आप को मापेंगे हमने कभी अपने आप को मापा नहीं। हमें भी अपना थमोर्मीटर मापना चाहिए की हम कितने पॉजिटिव हैं कितने नेगेटिव है। कितने ज्ञानी है। अच्छा ज्ञानी धर्मात्मा होता है लेकिन हम होते नहीं। अपने आप को मापे कि हम कितना पॉजिटिव कितना नेगेटिव है और कोशिश करें कि हम कितने सकारात्मक हो सकते हैं। इस विषय पर प्रकाश डालते हुए गुरुदेव ने कहा कि स्वाध्याय हमारा थर्मामीटर है उसी से हम समीक्षा कर सकते हैं कि हम कितने सकारात्मक हैं जैन दर्शन कहता है कि आपको अपनी बैलेंस शीट बनाना चाहिए ध्यान रखना चाहिए कि व्यापार अर्जन की चीज है विसर्जन की नहीं हम कितना पापों में सुधार कर सकते हैं हम कितनी अपने को धार्मिकता दे सकते हैं। ऐसी वस्तुओं को क्या ग्रहण करना जो हमें खराब बनाती है। उन्होंने कहा कंट्रोल पावर सबके पास है इंद्रिय विषयों ग्रहण करें बिना जीवन नहीं चलता व्यक्ति अंतस चेतना में जो भाव करता है तो लेश्या उत्पन्न करता है। सोच लिया यह मेरा घर है यह मेरी चीज है तो यह अशुभ लेश्या है और मान लिया कि यह मेरा संयोग है तो यह शुभ लेश्या है। उन्होंने कहा हम आधुनिक भौतिकवादी स्टैंडर्ड हो गए हैं आधुनिकता दुर्गति कराती है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसी आधुनिकता किस काम की जो जीवन यापन नहीं कर सके। ऐसी आधुनिकता किस काम की जो सही दिशा देने वाली नहीं है।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

हार्ट अटैक आने से 7 दिन पहले शरीर देता है ये 8 सिग्नल

इन्हें नज़रअंदाज़ किया, तो जान को खतरा!

अब हार्ट अटैक सिर्फ बूढ़ों को नहीं होता...सिद्धार्थ शुक्ला, केके, शेफाली जरीवाला – जवान, फिट और एक्टिव लोग – फिर भी अचानक उनकी मौत ने हमें चौंका दिया। हमें लगने लगा था कि हार्ट अटैक केवल बुजुर्गों को होता है लेकिन सच यह है:अब हार्ट अटैक किसी भी उम्र में, किसी को भी हो सकता है और सबसे बड़ी बात – हार्ट अटैक अचानक नहीं आता।आपका शरीर एक हफ्ते पहले ही चेतावनी देने लगता है।हार्ट अटैक क्यों होता है? दिल को खून देने वाली कोरोनरी आर्टरी जब ब्लॉक हो जाती है, तो दिल तक ऑक्सीजन नहीं पहुंचती।इससे हार्ट मसल्स डैमेज होने लगते हैं — और यही होता है हार्ट अटैक। शरीर देता है संकेत – इन्हें कहते हैं **Prodromal Symptoms** मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, 41% हार्ट अटैक पेशेंट्स ने अटैक से पहले कुछ लक्षण महसूस किए थे। इन संकेतों को मेडिकल भाषा में कहते हैं: प्रोड्रोमल सिम्प्टम्सअगर इन्हें समय रहते पहचान लिया जाए — तो जान बच सकती है।हार्ट अटैक से 7 दिन पहले दिखने वाले 8 संकेत।

1. सीने में दबाव या दर्द। ऐसा महसूस होना जैसे कोई भारी चीज़ चेस्ट पर रखी हो। दर्द बाएं हाथ, कंधे या जबड़े तक जा सकता हैदर्द कभी आता है, कभी चला जाता है — इसलिए लोग इसे इग्नोर कर देते हैं।
2. सांस फूलना (Breathlessness)सीढ़ी चढ़ते या हल्का चलने में भी सांस उखड़ना।बिना किसी कारण, लगातार सांस लेने में दिक्कत। अक्सर लोग इसे सीने की infection समझ लेते हैं।
3. अचानक और लगातार थकान (Fatigue)पूरी नींद लेने के बाद भी थकावट। हर समय ऊर्जा की कमी महसूस होना।काम करने का मन न करना।यह सर्कुलेशन कम होने का संकेत है – यानी दिल सही से काम नहीं कर रहा।
4. दिल की धड़कन का तेज़ होना (Palpitations)। दिल का रुक-रुक कर या ज़ोर से धड़कना। बिना एक्सरसाइज किए भी दिल की धड़कन महसूस होना।
5. ठंडा पसीना आना (Cold Sweats)बिना गर्मी या शारीरिक मेहनत के ठंडे पसीने आना। खासकर रात में अगर ऐसा हो — तो सतर्क हो जाइए।
6. बदहजमी या गैस जैसा फील होना। सीने में जलन, मतली या उल्टी जैसा लगना। लोग इसे पेट की समस्या समझकर इग्नोर कर देते हैं।यह हार्ट अटैक का एक साइलेंट सिग्नल हो सकता है।
7. चक्कर आना या नींद न आना।बार-बार नींद से जाग जाना। रात में बेचैनी, घबराहट होना।ऐसा लगना कि कुछ गलत होने वाला है।
8. एंग्जायटी और डर लगनाबिना वजह घबराहट। अचानक अंदर से डर महसूस होना। यह आपके दिल की SOS कॉल हो सकती है,महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण अलग हो सकते हैं। महिलाओं में चेस्ट पेन नहीं, बल्कि ये लक्षण ज़्यादा आम होते हैं: अत्यधिक थकान। पेट में दर्द या उल्टी। अनजानी घबराहट या डिप्रेशन।

हार्ट अटैक का सबसे बड़ा खतरा: लोग सिग्नल्स को इग्नोर कर देते हैं TIME IS MUSCLE – हर मिनट कीमती हैजितनी देर करेंगे, उतना हार्ट मसल्स डैमेज होगा। केके और सिद्धार्थ शुक्ला जैसे केस हमें यही सिखाते हैं किसिम्प्टम्स को हल्के में लेना मौत को दावत देना है।अगर आप ये लक्षण महसूस करें तो क्या करें? पैनिक ना करें लेकिन इग्नोर बिल्कुल भी ना करें। तुरंत किसी करीबी को बताएं — अकेले न झेलें। डॉक्टर को दिखाएं, ECG/टेस्ट करवाएं। जरूरत हो तो एंबुलेंस बुलाएं—क्योंकि रास्ते में इलाज शुरू हो सकता है। याद रखिए:हार्ट अटैक की न उम्र होती है, न चेहरा। आपकी अवेयरनेस ही आपकी सबसे बड़ी सेफ्टी शील्ड है। अगर यह जानकारी आपके लिए उपयोगी रही हो तो:Upvote जरूर कीजिए — ताकि यह पोस्ट और लोगों तक पहुंचेनीचे comment करके बताइए – क्या आपने कभी ऐसा कोई लक्षण महसूस किया है? और अगर आप ऐसी ही और हेल्थ अवेयरनेस पोस्ट्स पढ़ना चाहते हैं तो मुझे follow करना न भूलें। धन्यवाद! स्वस्थ रहिए, सजग रहिए।

डा पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद विशेषज्ञ शासन सचिवालय जयपुर

सब पढ़ें आगे बढ़ें मिशन के तहत किया स्टेशनरी वितरण

भिंड. शाबाश इंडिया

शहर की सामाजिक संस्था जैन मिलन महिला चंदना ने शहर के महावीर गंज पेच नंबर दो स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को स्टेशनरी (कॉपी पेन ज्योमेट्री बॉक्स) का वितरण किया। इस अवसर पर शाखा संस्थापिका एवं जल संरक्षण जागरूकता समिति चेयरमैन वीरां नीतू जैन पहाड़िया ने कहा शाखा मिशन सब पढें आगे बढ़ने के तहत शाखा का उद्देश्य रहता है कि कोई भी बच्चा पाठ्य सामग्री के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे। हम समय-समय पर ऐसे विद्यार्थियों की मदद करते हैं जो आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते है। इस अवसर परबच्चों को स्वल्पाहार का वितरण किया गया। शाखा अध्यक्ष सुनीता जैन, मंत्री अलका जैन, विभा जैन, डोली, मोनी, अंजू बेबी जैन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

-सोनल जैन की रिपोर्ट

जिन अभिषेक मंडल श्योपुर के सदस्यों के द्वारा दिगंबर जैन मंदिर पाटनीयान सांगानेर में पूजा अभिषेक किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज दिनांक 20 जुलाई 2025 को जिन अभिषेक मंडल श्योपुर के सदस्यों के द्वारा श्री 1008 पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर पाटनीयान सांगानेर अष्टधातु की मूल प्रतिमा पारसनाथ भगवान वह सभी जिन प्रतिमाओं का अभिषेक किए तथा पूजा कर अर्घ चढ़ाए। स्थानीय संयोजक आशीष पाटनी ने बताया कि यह जिन प्रतिमाएं बहुत प्राचीन है यहां की मूल प्रतिमा पारसनाथ भगवान की अष्टधातु की है यह बहुत चमत्कारी है या दर्शन करने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। इनका कहना है कि इस मंदिर के भूगर्भ से 2016 में विशद सागर जी ने ये प्रतिमाएं निकाली थी जिनमें सभी लोगों ने दर्शन किए थे यह तेरापंथ आमनायक का मंदिर है । जिन अभिषेक मंडल के संयोजक अजय शाह नीरज सेठी विवेक चौधरी तथा इस मंडल के मुख्य सूत्रधार दीपेश बिंदायका भी उपस्थित थे। श्रावक राकेश पाटनी श्योपुर ने बताया कि जिन अभिषेक मंडल का मुख्य उद्देश्य जैन युवा साथियों वह बच्चों को धर्म से जोड़ना वह संस्कारों से प्रेरित करना धर्म की प्रवाहना को बढ़ाना जैन धर्म के बारे में जानकारी देना यही इस मंडल का मुख्य उद्देश्य है।

वेद ज्ञान

त्रिनेत्र ही दिव्य-दृष्टि

ज्ञान दृष्टि से मनुष्य ज्ञान जगत से संबंधित समस्त बातों का अनुभव कर सकता है। उसी तरह अज्ञान दृष्टि से अज्ञान के जगत का अनुभव कर लेता है। जिन दो आंखों से हम परिचित हैं, जिन दो आंखों से हम देखते हैं, जिन दो चक्षुओं को हम जानते हैं, वे अज्ञान के चक्षु हैं। अज्ञान की स्थिति में ये दो आंखें काम करती हैं और ज्ञान की दृष्टि बंद रहती है। जब ज्ञान दृष्टि खुल जाती है, तब अज्ञान दृष्टि बंद हो जाती है। जिस तरह अज्ञान दृष्टि बाहर की ओर (बाहरी जगत) काम करती है, उसी प्रकार ज्ञान दृष्टि भीतर (आंतरिक जगत) की ओर काम करती है। दोनों में क्रिया एक ही तरह है। ज्ञान और विज्ञान परिचित आंखों और अदृश्य आंखों का एक भाव भी है। एक सम स्थिति भी है। जहां दोनों नहीं होते हैं, इन दोनों से अलग तीसरी आंख है, जिसे त्रिनेत्र भी कहा जाता है। त्रिनेत्र को दिव्य दृष्टि कह सकते हैं, जो ज्ञानमय दृष्टि है। अज्ञानमय दृष्टि का जिस तरह से उत्तराधिकारी मनुष्य है, उसी प्रकार से इस तीसरी आंख का भी अधिकारी मनुष्य होता है। त्रिनेत्र शक्ति का स्थान है। ध्यान साधना से त्रिनेत्र के खुल जाने से अंधकार हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। दृश्य जगत से अदृश्य जगत के बोध के लिए और सूक्ष्म जगत की सूक्ष्म गतिविधियों में रहने के लिए त्रिनेत्र का विशेष महत्व है। दिव्य भाव में आत्ममय होने और भगवत अनुग्रह के लिए आंतरिक ज्ञानमय शक्ति आवश्यक है, जो त्रिनेत्र पर ध्यान केंद्रित होने पर ही संभव है। त्रिनेत्र पर ध्यान केंद्रित होने पर परम सत्ता के साथ साक्षात्कार होता है। इस पूर्णता को प्राप्त कर लेने पर तीसरी आंखें खोल लेने के बाद ज्ञान शक्ति मनुष्य के अधिकार में होती है। स्पष्ट है, आंतरिक त्रिनेत्र के खुलने के बाद व्यक्ति संसार और परम चेतन तत्व की अच्छी तरह से अनुभूति करने लगता है। कहने का आशय यह है कि आंतरिक नेत्र यानी त्रिनेत्र के खुलने के बाद अंधकार स्वतः खत्म हो जाता है, जैसे कि सूर्योदय के बाद अंधकार अपने आप ही खत्म हो जाता है, परंतु इस त्रिनेत्र को खोलना उतना भी आसान नहीं है। इसके लिए आत्मिक शक्ति को जागृत करना होता है। जिस प्रकार सूर्य समस्त अंधकार को चीरते हुए क्षितिज पर दस्तक देता है उसी तरह हमें भी अपने आंतरिक अंधकार पर वैसे ही विजय प्राप्त करनी होती है।

संपादकीय

टकराव की जगह बनती जा रही संसद!

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन दोनों सदनों में सत्ता और विपक्ष के बीच खींचतान के बाद जैसा हंगामा देखा गया, वह एक तरह से अपेक्षित था। जिस तरह लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने की नौबत आई, उससे एक बार फिर यही लगता है कि जनहित से जुड़े मसलों पर बातचीत के बजाय संसद अब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव की जगह बनती जा रही है। विपक्ष को लगता है कि सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक

सदन में बहस के लिए मुद्दों का चुनाव करती है और ऐसे में जनहित तथा राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों की उपेक्षा की जाती है, वहीं सरकार यह मानती है कि विपक्ष नाहक ही सदन को बाधित कर जरूरी कामकाज में अड़चन डालता है। इसमें दोराय नहीं कि जब तक किसी मुद्दे पर लोकसभा या राज्यसभा में बहस नहीं होगी, तब तक जनहित के सवाल उपेक्षित रहेंगे, लेकिन इस क्रम में ऐसी स्थिति पैदा होने को कैसे सही ठहराया जा सकता है कि सदन में विचार-विमर्श के बजाय एकतरफा बातचीत होने लगती है और उसी के आधार पर नियम-कायदे भी तय हो जाते हैं। गौरतलब है कि करीब एक महीने तक चलने वाले मानसून सत्र में विपक्ष की ओर से मुख्य रूप से पहलगाम हमले, आपरेशन सिंदूर, संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण, मणिपुर के हालात और चीन के रुख आदि मसलों पर चर्चा कराने पर जोर दिया गया। हालांकि सरकार ने दावा किया कि वह इन सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। अगर ऐसा है तो यह समझना मुश्किल है कि फिर खींचतान और हंगामे के हालात यहां तक कैसे पहुंचे कि सदन को स्थगित करने की नौबत आई। सरकार और विपक्ष के बीच संसद में आमने-सामने की बहस और सवाल-जवाब एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। अगर सरकार को लगता है कि वह विपक्ष की मांग के मुताबिक सभी विषयों पर बहस के लिए तैयार है, तब आखिर संसद में हंगामे की नौबत क्यों आती है? क्या ऐसा बीच का रास्ता नहीं निकल सकता जिसमें सदन बाधित न हो और संसद का कामकाज सुचारु रूप से चले? विपक्ष अगर चर्चा की मांग करता है, तो सदन को सामान्य रूप से संचालित होने देना और जरूरी मुद्दों पर बहस को लोकतांत्रिक निष्कर्ष तक ले जाना आखिर किसकी जिम्मेदारी है? देश और नागरिकों के हित से जुड़े व्यापक महत्त्व के सवालों पर लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा नहीं होगी तो और कहां होगी? मगर सरकार और विपक्ष जिन मुद्दों पर टकराव की मुद्रा में आ जाते हैं, उसमें यह कैसे तय होगा कि किस सवाल को बहस की प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए? सही है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला और उसके बाद की परिस्थितियां राष्ट्रीय महत्त्व का मसला है। इसी तरह बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जिस तरह के सवाल उठे हैं, उस पर भी तत्काल बात होनी चाहिए। मणिपुर में भी लंबे समय से जिस तरह हिंसा के हालात बने हुए हैं, उसका समाधान भी तुरंत खोजने की जरूरत है। मगर क्या सदन में इसके लिए कोई प्रक्रिया निर्धारित है? -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

तालमेल

यह सच है कि भारत के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स अब परिपक्व हो चुके हैं। उन्हें अब शायद मुख्यधारा के मीडिया पेशेवरों से भी अधिक व्यू मिलने लगे हैं और वे लाखों दर्शकों को प्रभावित करते हैं। लेकिन इसमें एक खतरा है। अव्वल तो उनके हेडलाइंस बहुधा भ्रामक होते हैं। क्लिकनेट के लिए उनके शीर्षकों या थम्बनेल में अमूमन किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्ती का किसी अन्य दिग्गज का नाम शामिल होता है। वे हर हफ्ते, वीडियो-दर- वीडियो यह दावा करते हैं कि किसी 'बड़े एक्शन' की योजना बनाई जा रही है। और अगर 'फिनफ्लुएंसर्स' की बात करें तो वे अक्सर बाजार में किसी बड़े 'क्रश' का पूर्वानुमान लगाते हैं। जबकि उनकी भविष्यवाणियां शायद ही कभी सच होती हों। हालांकि, सरकार समर्थित चैनलों में एक शगल आम है कि वे अपने प्रिय नेताओं को बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं। लेकिन इसका एक नकारात्मक पहलू है। बड़े मानदंडों को लेकर नरमी से बोलने के बजाय हम छोटे मानकों पर कोलाहल का शिल्प रचने लगते हैं। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है। क्योंकि आत्म-प्रवंचना हमें निश्चित ही उस गड्ढे में डाल देगी, जिसे हमने ही अपने लिए खोदा है। मैं यह कहकर अपने लिए आफत को न्योता दे रहा हूं लेकिन संभवतः अमेरिका को हमारी जितनी जरूरत है, उससे ज्यादा आवश्यकता हमें अमेरिका की है। वैश्विक भू-राजनीति में रणनीतिक तालमेल तो समझ आता है, पर रणनीतिक स्वायत्तता नहीं और आर्थिक सैन्य, तकनीकी, राजनीतिक, सांस्कृतिक हितों में अमेरिका के साथ तालमेल रखना भारत के हित में है। मैं फिर दोहराता हूं कि अराजकता, विघटन, सर्वसत्तावाद के खिलाफ आज लोकतंत्र ही सर्वाधिक उपयुक्त उपकरण है। इसलिए दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों के नाते अमेरिका और भारत में स्वाभाविक साझेदारी निर्मित होती है। ऐसे में मसलन नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रम्प के प्रयासों का मखौल उड़ाने के बजाय हम इसका समर्थन कर सकते थे। हमें इससे क्या नुकसान होता? सच कहें तो हम इस खेल में पाकिस्तान से कहीं आगे निकल जाते। बेशक, व्यापार और तकनीकी लाभों के बदले ऐसा किया जा सकता था। भारत को अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के लिए व्यावहारिक गठबंधनों की जरूरत है, ऐसे में राष्ट्रवादी उत्साह के आवरण में प्रकट होने वाला हमारा अमेरिका-विरोध हमें अपने एक प्रमुख साझेदार से दूर कर सकता है। इंफ्लुएंसर्स का सनसनी फैलाने का जुनून गलत है, चाहे वह डॉलर की कीमत घटने को लेकर हो या फिर भारत की कथित भू-राजनीतिक जीत को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने को लेकर ऐसी अतिशयोक्तियों से एक विकृत वैश्विक दृष्टिकोण निर्मित होता है। अमेरिका-विरोधी प्रोपगंडा का अधिकांश हिस्सा न केवल भ्रामक, बल्कि खतरनाक भी है। अमेरिका 30 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ विश्व में शीर्ष पर है। इसकी तुलना में हमारी जीडीपी 3.5 ट्रिलियन पर है, जिसके 2025 में 4 ट्रिलियन के पार पहुंचने का अनुमान है। अमेरिकी रक्षा खर्च के आगे भारत का रक्षा खर्च बौना है और एआई से लेकर सेमीकंडक्टरों तक उसकी तकनीकी बढ़त से पार पाना तो हमारे लिए बेहद ही मुश्किल है। अमेरिका के बेस दुनियाभर में हैं। जमीन, समुद्र या अंतरिक्ष में उसकी क्षमताएं अतुलनीय हैं। यह दिखावा करना कि भारत अमेरिका के बिना भी चल सकता है, सच्चाई को नजरअंदाज करने जैसा है। इंफ्लुएंसर्स के बीच डी-डॉलराइजेशन की कहानी खूब पसंद की जाती है। जबकि 2024 के स्विफ्ट डेटा के अनुसार डॉलर अभी भी वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार में 60% हिस्सेदारी रखता है।

।। श्री नेमिनाथाय नमः ।।

मूलनायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनारजी

तपोभूमि एवं छोटा गिरनार तीर्थ प्रणेता प.पू. आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागरजी मुनिराज की प्रेरणा से

1008 श्री नेमिनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव

सावन शुक्ला षठमी, बुधवार, 30 जुलाई 2025

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

मंगल आशीर्वाद

तपोभूमि प्रणेता प.पू. आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी मुनिराज

मंगल आशीर्वाद

गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी

बुधवार 30 जुलाई से गुरुवार 31 जुलाई 2025

बस रवानगी – 30 जुलाई 2025 को प्रातः 6.30 बजे दुर्गापुरा से

रात्रि विश्राम – केसोराय पाटन में

वापसी – 31 जुलाई 2025 को रात्रि 10.00 बजे दुर्गापुरा

सहयोग राशि – रु. 1100/- प्रति यात्री

बुकिंग हेतु अन्तिम तिथि – रविवार, 27 जुलाई 2025

बुकिंग हेतु 27 जुलाई तक टोकन मनी रु. 500/- प्रति यात्री अवश्य जमा करवायें।

बसें प्रातः 6.30 बजे दुर्गापुरा जैन मन्दिर में गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वतीमति माता जी, के दर्शन करके रवाना होंगे, छोटा गिरनारजी बापूगाँव में

आर्यिका 105 श्री विष्णु प्रभा माताजी

अभिषेक, शान्तिधारा व पूजन

पश्चात् टोंक में आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज के दर्शन, सवाई माधोपुर में गणिनी आर्यिका श्री 105 विशुद्धमति माताजी के दर्शन, केसोराय पाटन में 1008 मुनिसुव्रत नाथ भगवान के दर्शन, जहाजपुर में गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तीभूषण माताजी के दर्शन, कोटा में आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी मुनिराज के दर्शन, विज्ञाननगर कोटा में गणिनी आर्यिका 105 श्री विभा श्री माताजी के दर्शन, टोडारायसिंह में आर्यिका श्री 105 विष्णुप्रभा माताजी के दर्शन, विज्ञातीर्थ गुन्सी में आर्यिका श्री 105 ज्ञानश्री माताजी के दर्शन करते हुए 31 जुलाई को रात्रि में 10 बजे दुर्गापुरा पहुँचेंगे।

टिकिट प्राप्ति स्थलः

विमल कुमार गंगवाल, दुर्गापुरा 88904 29428
प. विनोद कुमार शास्त्री, मानसरोवर 98280 76193
नरेश बाकलीवाल, दुर्गापूरा 98296 81717

टिकिट प्राप्ति स्थलः

पारस मल बाकलीवाल, नन्द कॉलोनी 99287 47402
रमेश चन्द गंगवाल, निमोड़िया 99293 43728
केवल चन्द गंगवाल, चित्रकुट कॉलोनी 93526 69300

संयोजक
श्री नेमिनाथ यात्रा संघ
दुर्गापुरा जयपुर

नाश्ता व दोनों समय के भोजन की व्यवस्था है।

नोटः– (1) कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के फेरबदल का अधिकार संयोजक को रहेगा (2) टोकन मनी जमा करवाने के बाद ही सीट बुक मानी जाएगी, अन्यथा सीट बुक नहीं मानी जाएगी (3) सीट पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर दी जायेगी (4) अपने साथ पानी की बोतल अवश्य लेवें (5) कृपया समय का विशेष ध्यान रखें।

शांतिनाथ जिनालय महिला मंडल सर्वोदय कालोनी ने लहरिया उत्सव मनाया

अजमेर. शाबाश इंडिया

शांतिनाथ जिनालय महिला मंडल सर्वोदय कालोनी अजमेर ने लहरिया उत्सव नारेली में उत्साह के साथ मनाया। मंडल की मंत्री रेणु पाटनी ने बताया कि ऊषा सेठी व अतिशय के सानिध्य में ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली में लहरिया उत्सव मनाया। सर्वप्रथम नारेली में आस्था व रित्विका के द्वारा सभी को तिलक लगाकर ब्रेसलेट पहना कर स्वागत किया गया। अध्यक्ष मधु जैन ने बताया कि णमोकार का पाठ, भक्तामर स्तोत्र, भजन गाकर सभी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। अनामिका सुरलाया, बीना गदिया द्वारा भक्ति कराई गई। गुण माला गंगवाल, साधना दनगसिया, बीना गंगवाल ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज पर भजन गाये, बाद में सभी सदस्यों ने लहरिया पर हाऊजी खिलाई । मंजू छाबड़ा का तेला करने के उपलक्ष में माल्यार्पण किया गया। कोषाध्यक्ष नीरुसोगानी द्वारा बस की व्यवस्था संभाली, अंत में इंद्रा कासलीवाल द्वारा ऊषा सेठी का आभार व्यक्त किया मंडल की सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया।

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की नवीन कार्यकारिणी ने ली शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की इंस्टालेशन सेरेमनी एवं अध्यक्षीय पुरस्कार समारोह टोंक रोड के एक होटल में धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्योगपति लायन विनोद गोयल, लायन श्रीमती शकुंतला गोयल एवं लायन श्रीमती डॉ. रेखा जैन थी। क्लब के सीनियर सदस्य अजय सक्सेना एवं योगेंद्र गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए राजेश पारीक को अध्यक्ष, महेंद्र बैराठी को सचिव, एवं सी.एम.गर्ग को कोषाध्यक्ष चुना गया। क्लब के सभी चुने गये पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि द्वारा शपथ दिलाई गई एवं नए सदस्यों का स्वागत किया गया। अध्यक्ष राजेश पारीक ने अपने अध्यक्षीय भाषण में वर्ष 2025-26 में होने वाली गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। वर्ष 2024-25 की अध्यक्ष ऋचा खेमका ने क्लब के सदस्यों को पुरस्कार वितरण किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष सूरी एवं अंजू जैन ने किया। कार्यक्रम के अंत में संयोजक सुरेंद्र गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

एडीआईए मेरील में 200 मिलियन अमरीकी डॉलर का निवेश करेगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। अबू धाबी निवेश प्राधिकरण (एडीआईए) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ने माइक्रो लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड ('मेरील') में लगभग 3% हिस्सेदारी के लिए 200 मिलियन अमरीकी डॉलर के निवेश के लिए अंतिम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो भारत की प्रमुख चिकित्सा उपकरण कंपनियों में से एक है। इस निवेश से मेरील का मूल्य 6.6 बिलियन अमरीकी डॉलर के एंटरप्राइज वैल्यू पर आंका गया है। यह लेन-देन भारत की प्रतिस्पर्धा आयोग से नियामक अनुमोदन के अधीन है। इस निवेश के बाद, मेरील को एडीआईए और वारबर्ग पिंकस जो कि दोनों ही वैश्विक स्तर पर पहचान प्राप्त निवेशक हैं, का समर्थन प्राप्त होगा। बिलाखिया समूह द्वारा स्थापित, मेरील एक वैश्विक चिकित्सा प्रौद्योगिकी की नवप्रवर्तक कंपनी है, जो कई विशेषज्ञताओं में जिनमें कार्डियोवैस्कुलर, स्ट्रक्चरल हार्ट, आर्थोपेडिक्स, एंडो-सर्जरी, इन-विट्रो डायग्नोस्टिक्स और सर्जिकल रोबोटिक्स शामिल हैं। चिकित्सीय रूप से उन्नत समाधानों पर विशेष ध्यान केंद्रित करती है।

Meril
More to Life

संजीव भट्ट, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट स्ट्रेटेजी, मेरील ने कहा कि एडीआईए द्वारा किया गया यह निवेश मेरील की दीर्घकालिक दृष्टि और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं में विश्वास को मजबूत करता है। यह निवेश हमें विकास को तेजी से बढ़ाने, विश्व-स्तरीय प्रतिभाओं को आकर्षित करने और हमारे अनुसंधान और विकास और नैदानिक अनुसंधान प्रयासों को और अधिक मजबूत करने में मदद करेगा, क्योंकि हम उन्नत स्वास्थ्य देखभाल समाधानों के माध्यम से मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने की दिशा में काम कर रहे हैं। वापी में अपने प्रमुख कार्यालय के साथ, भारत में स्थित मेरील अत्याधुनिक, वर्टिकली इंटीग्रेटेड और वैश्विक प्रमाणित निर्माण और अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के साथ एक 100 एकड़ के चिकित्सा प्रौद्योगिकी परिसर में कार्यरत है। कंपनी 13,000 से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देती है, इनकी 35 से अधिक वैश्विक सहायक कंपनियां हैं, और 150 से अधिक देशों में स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की सेवा प्रदान करती है।

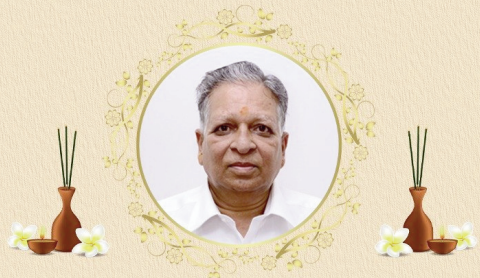

SHRI MAHENDRA KUMAR GANGWAL
SON OF LATE SHRI MANAKCHAND JI GANGWAL

WITH PROFOUND SORROW,WE INFORM
YOU THAT SHRI MAHENDRA KUMAR GANGWAL
HAS PEACEFULLY DEPARTED FOR HIS HEAVENLY
ABODE ON 21ST JULY 2025.

MEMORIAL SERVICE (TIYE KI BAITHAK)

WILL BE HELD ON 23RD JULY 2025 AT
TOTUKA BHAWAN, BHATTARAK JI KI NASHIYAN ,
NARAYAN SINGH CIRCLE, JAIPUR AT 9:00 AM.

KALASH GROUP

LOCATION QR

मूलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान पार्श्वनाथ भवन

॥ श्री पार्श्वनाथ स्वामिने नमः॥

श्री 108 अर्चितसागर चातुर्मास व्यवस्था समिति-2025

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, पार्श्वनाथ भवन, नाटाणियों का रास्ता, जयपुर

आचार्य पितामह - जगद्गुरु भारत गौरव ... गणाधिपति गणधराचार्य श्री कुन्थुसागरजी गुरुदेव

प.पू. आचार्य 108 श्री देवनंदी जी महाराज

षट्रस त्यागी श्रमण मुनि 108 श्री अर्चितसागर जी महाराज ससंघ

वर्षायोग मंगल कलश स्थापना

पूज्य मुनि श्री 108 अर्चितसागर जी मुनिराज

श्रावण शुक्ला तृतीया रविवार, 27 जुलाई 2025
समय - मध्याह्न 2.30 बजे से

पावन वर्षायोग 2025

धर्म अनुरागी बन्धुओं,

सादर जय जिनेन्द्र !

चातुर्मास का दिव्य स्वरूप, विनय, सादगी, अहिंसा, तप, त्याग, व्रत, उपवास, पूजा, विधान से होता है। तप और साधना के इस अनुपम अवसर पर 108 श्री अर्चितसागर जी गुरुदेव ससंघ के पावन वर्षायोग कलश की स्थापना रविवार, 27 जुलाई 2025 को मध्याह्न 2.30 बजे से श्री पार्श्वनाथ भवन के विशाल प्रांगण में सैकड़ों धर्मप्रेमी गुरुभक्तों की गरिमाममयी उपस्थिति में होगी।

मांगलिक कार्यक्रम

प्रातः 7:30 बजे - श्री जी का जलाभिषेक, पंचामृत अभिषेक और शांतिधारा

प्रातः 10:00 बजे से - आहारचर्या

मध्यान्ह 2:00 बजे से - मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, अतिथियों द्वारा श्रीफल भेंट एवं सम्मान पश्चात् गुरुदेव की मंगल वाणी से उद्बोधन और मंगल चातुर्मास कलश की स्थापना पश्चात वात्सल्य भोज

कार्यक्रम स्थल

श्री पार्श्वनाथ भवन प्रांगण
नाटाणियों का रास्ता, जयपुर
कार्यक्रम पश्चात्
वात्सल्य भोज
सायं 5.00बजे से

ध्वजारोहणकर्ता

श्री संजय जी-संदीप जी काला (नवअल्पना)

दीप प्रज्वलनकर्ता

श्री पारस जी-रूबी जी बड़जात्या मनीषा-अर्पित जी जैन बड़जात्या

पार्श्वनाथ कलश

देवप्रकाश जी, सतीश जी-कल्पना जी आदर्श जी, सृष्टि जी खण्डाका एवं समस्त खण्डाका परिवार

पार्श्वनाथ कलश

श्री अशोक जी-कवीता जी, सुयश जी खण्डाका आयुषी जी-शुभम जी केडिया एवं समस्त खण्डाका परिवार

रत्नत्रय कलश

श्री विजय प्रकाश जी-कुसुम जी जिनेश जी, सुरेश जी खण्डाका परिवार

सम्यक् दर्शन कलश स्थापनकर्ता :-
- श्री श्रीकुमार जी-अशि जी, करण जी खण्डाका

सम्यक् ज्ञान कलश स्थापनकर्ता :-
- श्री आलोक जी, अंकित जी चांदवाड़
- श्री अनिल जी-उमा जी, अरविन्द जी-सुनीता जी, दीपक जी-सीमा जी दीवान पाटनी

सम्यक् चारित्र कलश स्थापनकर्ता :-
- श्री निर्मल जी-शशि जी, ऋतु जी, पृथ्वी जी सोनाणी
- श्री रमेश जी-सुनीता जी, लोकेन्द्र जी-सोनीका जी योगेन्द्रजी-आयुषी जी, रियान जी गंगवाल

संयम स्थापनकर्ता
- श्री पारस जी-रूबी जी बड़जात्या
- श्री रतन जी-कुसुम जी, विधान जी रिन्वूका पाटनी
- श्री विनोद जी- गंगवाल
- श्री मुकेश जी-बाबु जी कासलीवाल
- श्री राजीव जी जैन दुर्गापुरा
- श्री रतन जी-रजनी जी खण्डाका
- श्री राजेश जी-अनीता जी, तुषार जी अग्रवाल
- श्री पीतामल जी श्यामसुन्दर जी, अश्विनी कुमार जी अंजनी कुमार जी अग्रवाल
- श्री पदमचन्द जी-कीता देवी, वीरपाल जी, लाल बहादुर जी, तेजबहादुर जी, अतिन जी आदीश जी गोदीका परिवार

अहिंसा कलश स्थापनकर्ता
- श्री लोकेश जी-लक्ष्मी जी, शिवि जी अग्रवाल
- श्री नरेश जी छाबड़ा, पानो का दरीबा
- श्री सतीश जी-ममता जी लुहाड़िया
- श्री अरुण जी-निशा जी विश्वास जी बंसल जी शाह
- श्री संदीप जी-शिखा जी, सार्थक जी, चेतना जी शाह
- श्री गोपाल लाल जी, नोरतन मल जी जैन पंसारी
- श्री अशोक जी- (अशोका गारमेन्ट्स)
- श्री भागचन्द जी-तारामणी जी, विनय, विशाल जी-नीतू जी, देवांश जी, ऋषभ जी भौंसा
- श्री सुरेश जी-अनिता जी, सिद्धार्थ जी बड़जात्या (सूतपूनी वाले)

विशिष्ट आमंत्रित
- श्री ललिता जी-संजय जी जायसवाल (पार्षद)
- श्री पारस जी जैन (सूरज पोल पार्षद)
- श्री पारसजी जैन (मानसरोवर पार्षद)
- श्री हिमांशु जी जैन (लालकोठी पार्षद)
- श्रीमती अनीता जी जैन (पार्षद)
- श्री अरविन्द जी मेठी (पार्षद)
- श्री अमरसिंह जी गूर्जर (पार्षद)
- श्री कुलदीप जी शर्मा (भाजपा मण्डल अध्यक्ष)
- श्री बाबूलाल जी शर्मा (अ. हिन्दू अनाथाश्रम)

आमंत्रित अतिथिगण

श्री प्रदीप जी मामा, भोपाल, श्री अजय जी दोशी, अजमेर, श्री शुभम जी जैन, फरीदाबाद, श्री राजेश जी सोगया थाईलेण्ड,श्री सिद्धांत जी कीर्ति जी जैन, मुम्बई, श्री रमेश जी-अंजू जैन सूरत, श्री नितिन जी-रिंकी जी जैन, लखनऊ, श्री टीकमचन्द जी नीरज जी पाटनी अजमेर, श्री कमल जी जैन, वीर गांव, श्री राहुल जी-अनीता जी जैन, सूरत, श्री संजय जी जैन, अजमेर, श्री राजेश जी कोठिया, सरवाड़, श्री महावीर गंगवाल, श्री टीकम जी अजमेरा सरवाड़, श्री अजित जी गदिया अजमेर, श्री नाथूलाल जी शाह, श्री पदम जी रवि जी जैन बापानेरी, श्री नीरज जी जैन ग्वालियर, श्री लक्ष्मी जी जैन मनोराबाद, श्री मनीष जी गौरव जी जैन फिरोजाबाद,श्री राहुल जी जैन (एम आर) फिरोजाबाद, श्री विजय जी अजय जी जैन फिरोजाबाद, श्री विभूति जी जैन दिल्ली, श्री योगेन्द्र जी-आयुषी जी जैन (BHU), बनारस, श्री लोकेन्द्र जी-सोनिका जी गंगवाल (IDFC), भुवनेश्वर

जयपुर से : श्री देव प्रकाश जी खण्डाका, श्री त्रिलोकचन्द जी गोधा, श्री ओमप्रकाश जी काला, श्री राजेश जी गंगवाल, श्री निर्मल जी सोगाणी (परिवहन मंत्रालय), श्री पवन जी राणा, श्री एन.के. सेठी, श्री शांतिकुमार जी-ममता जी सोगाणी (जापान वाले), श्री श्री प्रवीण जी विकास जी बड़जात्या, डॉ. सनत कुमार जी जैन, डॉ. श्री विमल कुमार जी जैन, प्रतिष्ठाचार्य श्री विमल कुमार जैन बनेठा वाले, श्री कमल बाबू जी जैन, श्री सुभाषचन्द जी पाण्ड्या, श्री कुशल जी टोलिया, रविन्द्र जी बज, श्री मनीष जी बैद, श्री योगेश जी टोडरका, श्री सनील जी बगड़ी, एड. सुधीर जी जैन (पद्मपुरा), एड. श्री हेमन्त जी सोगानी, श्री राजकुमार जी कोठ्यारी जी, श्री शैलेन्द्र जी गोधा (समाचार जगत) श्री महावीर जी चांदवाड़, श्री पदम जी बिलाला, श्री सत्येन्द्र जी आंधिका, श्रीमती इन्दिरा जी बड़जात्या, डॉ. श्रीमती माधुरी जी जैन, श्री रूपेन्द्र जी छाबड़ा 'अशोक', श्री रमेश जी गंगवाल, श्री मुकेश जी ब्रह्मपुरी, श्री राजेन्द्र जी पापड़ीवाल, श्री मुकेश जी सेठी-श्री दिनेश जी सेठी, श्री अनुज जी बड़जात्या, श्री संदीप शाह, एवं समस्त मुनिसंघ प्रबन्ध समिति, श्री श्रीकुमार जी खण्डाका, श्री संतकुमार जी खण्डाका, श्री राजकुमारजी खण्डाका, श्री रतन कुमार जी खण्डाका, श्री नेमकुमार जी खण्डाका, श्री कुबेर जी खण्डाका, श्री सुमेर जी खण्डाका, श्री दीपक जी खण्डाका, श्री जिनेश जी खण्डाका, श्री सुरेश जी खण्डाका, श्री महेश जी खण्डाका, श्री मुकेश जी खण्डाका, श्री कमल जी खण्डाका, श्री करण जी खण्डाका, श्री रामेश्वर जी रामा अवतार जी गोयल (रूप लक्ष्मी वाले), श्री लक्ष्मीनारायण जी, रविन्द्र जी (मोंटू) फतहपुरिया, श्री बालकिशन जी बलदीप जी गोयल (बाण वाले), श्री राजेश जी अग्रवाल, (एल आर एल), श्री पीतामल जी श्याम सुन्दर जी अश्विनी जी अंजनी जी अग्रवाल, श्री रमेश जी अंकित जी मारवोली (राजवेश), श्री सुनील जी गर्ग, श्री संजय जी गर्ग, श्री रासबिहारी जी (मोटा रूपा वाले), श्री निकुंज जी चम्बाई वाले, श्री नवदीप जी-पिंकी जी खेमका, श्री अनिल जी मुंशी महल वाले, श्री सचिन जी रिषभ जी गोधा, श्री पंकज जी टोलिया, श्री दिनेश जी सेठी, श्री नरेश जी छाबड़ा (पार्श्वनाथ मंदिर), डॉ. कला जी कासलीवाल, श्री सुदीप जी बगड़ा, श्री संजय जी गोधा (पार्श्वनाथ मंदिर) श्री दौलत जी फागी वाले, श्रीमती कुसुम जी जैन (ग्राम भारती समिति), डॉ. सुशील जी कासलीवाल, श्री प्रकाश जी गंगवाल, श्री कमल जी बज, श्री प्रेमचन्द जी भौंसा (संघी जी मंदिर), पूनम चन्द जी बेनाड़ा (स्वीट हाउस), श्री विकास जी जैन, सीए. (24 महाराज मंदिर), श्री विशाल जी टोलिया, श्री अनुज जैन (एम आर ज्वेलर्स), श्री आलोक जैन (डीएमसी), श्री ताराचन्द जैन निवाई वाले, श्री विकास जी सोगाणी (सोगानी कैटर्स), श्री विरेन्द्र जैन (खादी ग्रामोद्योग), श्री सुशील जी बाकलीवाल, श्री विनोद जी बिलाला, श्री संजय जी बज (झोटवाड़ा), श्री महावीर जी पाटोदी, डॉ. सत्येन्द्र जी जैन, जयपुर, श्री सुरेश कुमार, श्री जीतू जी गंगवाल, प्रतापनगर, श्री राकेश जी गोदीका (शालास इण्डिया), श्री राकेश जी-नीलू जी गोधा (पिंकसिटी न्यूज), श्री विनोद जी कोटखावदा, जयपुर

वात्सल्य भोज पुण्यार्जक - खण्डाका परिवार

आयोजक :- श्री 108 अर्चितसागर चातुर्मास व्यवस्था समिति-2025

संरक्षक	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	महामंत्री	मंत्री	कोषाध्यक्ष	सह कोषाध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	प्रचार मंत्री
श्री विजय प्रकाश जी खण्डाका श्री कुन्दनमल जी सेठी श्री राजीव जी जैन गाजियाबाद	सतीश खण्डाका 9314501235	भागचन्द भौंसा मुकेश कासलीवाल राजीव जैन	अशोक खण्डाका 9829092916	कमल जैन पंसारी 9166671777	निशा शाह 9314409057	एडवोकेट रजत खिन्दूका 7976001750	मोना पाटनी	सुनीता गंगवाल रितु सोगाणी

सहयोगी संस्थाएँ
- श्री नेमिनाथ महिला मंडल, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जी लश्कर
- श्री चौबीस महाराज मन्दिर पूजा मण्डल, जयपुर
- जौहरी बाजार महिला मण्डल, जयपुर
- श्री जिन भक्ति संगठन, जयपुर

कार्यकारिणी सदस्यगण

जिनेन्द्र रांवका, विनोद गंगवाल, अशोक टोलिया, विनीत सेठी, राजेश सेठी दीपक पापड़ीवाल, मनोज बज, आदर्श खण्डाका, सक्षम खण्डाका, रोहित देव खण्डाका, सुयश खण्डाका, धर्मवीर लुहाड़िया, कल्पना खण्डाका, तनि खण्डाका,स्वाति खण्डाका, डिम्पल खण्डाका, खुशी खण्डाका, कवीता खण्डाका, आयुषी खण्डाका, बीना देवी जैन, निधि लुहाड़िया, विजेता लुहाड़िया, ऋचा जैन, ममता जैन, प्रिया जैन, अंजली जैन, मधु हाड़ा, उषा जैन, कुसुम खिन्दूका, रमा बिलाला, सोना बज, तारामणी भौंसा

निवेदक :

सकल दिगम्बर जैन समाज चौकड़ी, मोदीखाना, जयपुर
श्री दिगम्बर जैन मुनिसंघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, जयपुर
महिला जाग्रति संघ, चौकड़ी मोदीखाना

सौंजन्य : श्रीमती सावित्री देवी खण्डाका मेमोरियल ट्रस्ट, जयपुर

सामूहिक रात्रि भोज का त्याग हर जैन को करना चाहिये।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला बारां संभाग द्वारा छाता वितरण एवं मासिक बैठक का आयोजन

बारां. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग बारां द्वारा सेवा भावना से परिपूर्ण छाता वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष ललिता टोंग्या ने बताया कि जिनालयों की सेवा एवं हमारी सेवा में सदैव तत्पर रहने वाली महिलाओं के बीच 21 छातों का वितरण किया गया। वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई, ताकि कोई भी महिला सेवा कार्य में बाधित न हो। कार्यक्रम का शुभारंभ भक्तामर मंगलाचरण के साथ हुआ। णमोकार जाप भी किये गए। संस्था सचिव रानी नोपडा ने जानकारी दी कि चांद खेड़ी में आयोजित चातुर्मास कलश स्थापना एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम में समिति की मैना बड़जात्या, ललिता शाह एवं चन्द्रकला सेठी की अहम भूमिका रही। इस योगदान हेतु सभी सदस्यों ने उनका स्वागत, अभिनंदन एवं अनुमोदना की। कार्यक्रम का आयोजन सदस्य श्वेता गंगवाल के निवास पर हुआ, जहां उपाध्यक्ष सरला जैन ने बताया कि मासिक बैठक भी इसी कार्यक्रम में विधिवत की गई। इस अवसर पर श्वेता गंगवाल द्वारा मनोरंजक गेम्स भी करवाए गए। काउंटिंग लकी गेम में प्रथम स्थान सोनिया चांदवाड़, द्वितीय स्थान कुसुम जैन को मिला। ''जल्दी जाओ, इनाम पाओ'' गेम का उपहार कुसुम बज को मिला। मेहंदी शगुन पुरस्कार चन्द्रकला सेठी को प्राप्त हुआ। समिति द्वारा सेवा और उत्साह से भरे इस कार्यक्रम की सभी ने सराहना की।अध्यक्ष ललिता द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

धर्म : जीवन का मार्गदर्शन

धर्म शब्द संस्कृत की ''धृ'' धातु से बना है, जिसका अर्थ है-धारण करना या संभालना। धर्म केवल पूजा-पाठ, रीति-रिवाज या किसी विशेष संप्रदाय से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक जीवन शैली है जो मनुष्य को नैतिक, सामाजिक और आत्मिक दिशा प्रदान करता है।

धर्म का अर्थ और महत्वः धर्म का अर्थ अक्सर लोग संप्रदाय या मजहब से जोड़ते हैं, लेकिन वास्तव में धर्म एक व्यापक और सार्वभौमिक मूल्य है। यह सिखाता है कि मनुष्य को कैसे आचरण करना चाहिए, दूसरों के प्रति कैसा व्यवहार होना चाहिए, और अपने जीवन को कैसे संतुलित और उद्देश्यपूर्ण बनाना चाहिए। हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म, सिख धर्म आदि सभी अपने-अपने तरीके से जीवन के सत्य और सदाचार की शिक्षा देते हैं। सभी धर्मों का मूल उद्देश्य है – सत्य, अहिंसा, करुणा, क्षमा, और प्रेम।

धर्म और समाजः धर्म का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह न केवल व्यक्ति के विचारों और आचरण को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक एकता, न्याय और भाईचारे की भावना को भी मजबूत करता है। धर्म हमें यह सिखाता है कि सभी मनुष्य एक समान हैं और किसी के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए।

आधुनिक युग में धर्म की भूमिकाः आज के वैज्ञानिक और तकनीकी युग में भी धर्म की आवश्यकता बनी हुई है। जब जीवन में तनाव, अशांति और मूल्यहीनता बढ़ रही है, तब धर्म ही वह शक्ति है जो व्यक्ति को आत्मचिंतन, संयम और सच्चे सुख की ओर ले जाता है। हालांकि, धर्म के नाम पर अंधविश्वास, कट्टरता और संघर्ष जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ भी देखी जाती हैं। इसलिए आज जरूरत है धर्म के सही अर्थ को समझने और अपनाने की – जो कि प्रेम, सहिष्णुता और सेवा की भावना से प्रेरित हो। धर्म न तो केवल पूजा है, न ही केवल नियमों का पालन। यह एक ऐसा प्रकाश है जो मनुष्य को अंधकार से बाहर निकाल कर सत्य, शांति और समरसता की ओर ले जाता है। यदि हम धर्म के मूल सिद्धांतों को अपनाएं, तो न केवल हमारा जीवन बल्कि समस्त समाज भी सुंदर और शांतिपूर्ण बन सकता है।

अनिल माथुरः जोधपुर (राजस्थान)

दिगंबर जैन महिला महासमिति चित्तौड़गढ़ इकाई ने किया सावन पिकनिक पार्टी का आयोजन

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महिला महासमिति की सदस्याओं ने पिकनिक पार्टी का आयोजन दुर्ग स्थित कीर्ति स्तंभ प्रांगण में किया।अध्यक्ष मंजु सेठी ने बताया कि महिलाएं लहरिया पहनकर कार्यक्रम में पहुंची और एक दूसरे के साथ खुशियां बांटी। सभी सावन के गीतों पर नाची और सावन के गीत गाकर घंटों तक बारिश की फुहारों के बीच कार्यक्रम का आनंद उठाया। संरक्षिका मनोरमा अजमेरा व नम्रता गदिया ने बताया कि सभी महिलाओं ने प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम में समाज की वरिष्ठ महिलाओं का महिला महासमिति की ओर से तिलक, माला व ओपरना पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। बाद में सभी ने मल्लीनाथ जिनालय में पाठ व आरती की। इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष नीलम चौधरी,महामंत्री प्रियंका गदिया,कोषाध्यक्ष मैना बज,युवा प्रकोष्ठ मंत्री अनीता टोंग्या, मनोनीत सदस्य प्रेमलता सोनी, आशा वैद सहित कई महिलाएं मौजूद थी। संचालन मंजु सेठी ने किया।

णमोकार मंत्र रुपी कार से आप धर्म रूपी हाईवे पर सुरक्षित जीवन चला सकते हैं: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

टोंक. शाबाश इंडिया

सारा जगत कर्मों के कारण रोगी होकर दुःखी है। राग द्वेष कार्यों और परिणाम के कारण आत्मा पर कर्मों का आश्रव होता है, असाता कर्म के उदय से कर्म रूपी रोग आते हैं , इस कारण आपदा ओर कष्ट आते हैं जब शरीर मानसिक ओर शारीरिक रोगी होता है तब आप धार्मिक और श्रेष्ठ कार्य नहीं कर पाते हैं। आपका शरीर व्यसन और फैशन खान-पान के कारण रोगी बना है। यह मंगल धर्म देशना पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने धर्म नगरी टोंक की धर्म सभा में प्रगट की राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि गुटका पान की पिक से जब भूमि गंदी हो जाती है तो आपका शरीर भी कितना गंदा रहता है। आप अपनी आदतों के कारण रोगी है। भौतिक जीवन में सरकार ने राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तरीय स्तरीय हाईवे 2 लाइन 4 लाइन 6 लाइन 8 लाइन बनाए हैं जिसे आपकी दुर्घटना रहित यात्रा हो सके भगवान ने आपदा कष्ट ओर रोग से मुक्ति के उपाय बताए है। तीर्थंकर भगवान ने जीवन की यात्रा चलाने के लिए णमोकार मंत्र रुपी कार दी है जिससे आप धर्म रूपी रत्नत्रय हाईवे पर सुरक्षित चल सकते हैं। कर्मों के कारण आपका आपकी आत्मा मालिन हो रही है तप, त्याग , संयम धार्मिक कार्यों से आप आत्मा पर लगे कर्मों को दूर करने का पुरुषार्थ कर सकते हैं। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिका श्री देवर्धी मति माताजी ने प्रवचन में बताया कि जैन संस्कृति का विकास और उत्थान केवल ज्ञान रूपी प्रकाश से हुआ है प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज की मुनि चर्या चतुर्थ कालीन आदर्श रही है। आपने आचार्य वर्धमान सागर जी के बारे में बताया कि आपकी 19 वर्ष की उम्र में दीक्षा के चार माह बाद नेत्र ज्योति चली गई थी तब आपने शांति भक्ति का पाठ कर प्रभु की भक्ति से बिना डाक्टरी इलाज के नेत्र ज्योति प्राप्त की।प्रभु ओर गुरु की भक्ति से कर्मो की निर्जरा होती हैं। समाज के धर्म प्रचारक प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार अनुसार धर्म सभा में श्रीजी और पूवार्चार्य का चित्र का अनावरण दीप प्रज्वलन जैन सोशल ग्रुप द्वारा किया जाकर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की इस मौके पर झाड़ोल से पधारे कलाकार भाई गोरधन के भक्तिमय भजनों पर बड़े भक्ति भाव से भक्ति नृत्य करते हुए श्रद्धालुओं अष्टद्रव्य समर्पित किया एवं सुनील सर्राफ ने पूजन व्यवस्था में सहयोग किया। इस मौके पर आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने सभी श्रावकों को बाहर का खाना व पीना का त्याग देकर नियम दिलाया । आचार्य श्री संघ के आहार के चौके लगाने के लिए बाहर के नगरों से काफी भक्त पधार रहे हैं टोंक सहित इंदौर पारसोला निवाई के चौके लगे हैं, पारसोला के ऋषभ कुमार, मयूर कुमार पचोरी परिवार को आज आचार्य श्री का आहार कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाज के मीडिया प्रकोष्ठ मंत्री रमेश काला एवं विमल जोला में बताया कि27 जुलाई 2025 को होने वाली शांति समागम राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।जिसमें देश के सभी पत्रकार आयेंगे। जिसमें पत्रकारों का सामाजिक समरसता में चरित्र चक्रवर्ती का योगदान, प्रथमाचार्य और उनके जीवन मूल्यों की वर्तमान में प्रासंगिता, प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज का जैन दर्शन को अवदान आदि विषयों पर संगोष्ठी होगी। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत सम्मान होगा एवं वात्सल्य भोज होगा ।आज अनेक नगरों से श्रद्धालु दर्शन हेतु पधारे जिसमें जयपुर, सनावद, पारसोला, निवाई, इंदौर के श्रद्धालुओं की दिनभर भीड़ रही। इस मौके पर मीडिया प्रकोष्ठ रमेश काला कमल सर्राफ, नीटू छामुनिया, पंकज फूलेता, ओम ककोड़, एंजे दाखिया, जैन सोशल ग्रुप टोंक के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री विक्रम जैन एडवोकेट, कोषाध्यक्ष ज्ञान चन्द जैन बन्थली, रमेश काला, रमेश सोनी, ताराचन्द बडजात्या, प्रकाश सेठी, अशोक कासलीवाल, दिनेश लुहाडिया, पंकज छाबडा, अजय सोगानी, दिनेश कासलीवाल, महेश बिलासपुरिया, विकास सूंथडा, विनित जैन, जिनेन्द्र जैन, महेन्द्र पाटनी, मनीष जैन धूंवा के अतिरिक्त महिलाओं में सुमन काला, मैना बडजात्या, बीना जैन, निलम, खुश्बु, नैना जैन, लक्ष्मी जैन, संगीता, सुनिता सेठी, पिंकी, सरीता, मधु, निर्मेश कासललीवाल उपस्थित थे ।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम संपन्न हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम संपन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि बस द्वारा 35 सदस्यो ने कार्यक्रम की शुरूआत दिनांक 19 जुलाई को वर्धमान सरोवर जैन मंदिर से दर्शन एवं शांति धारा से प्रारंभ की एवं उसके पश्चात अतिशय क्षेत्र मोजमाबाद के दर्शन किए एवं पुष्कर मे क्लार्स सफारी रिसोर्ट गए उसके पश्चात पुष्कर मे स्थित विश्व का एक मात्र ब्रह्मा मंदिर का दर्शन एवं पुष्कर सरोवर घाट पर गए। उसके बाद जैन मंदिर दर्शन के बाद रात्रि विश्राम क्लार्स सफारी रिसोर्ट में किया । रिजॉर्ट्स में सभी ने आकर्षक हाउजी एवं स्विमिंग पूल का आनंद उठाया। ग्रुप सचिव अजय जैन ने बताया कि दिनांक 20 जुलाई को प्रातः जिन शासन मंदिर अजमेर एवं जैन मंदिर नारेली के दर्शन किए। संयोजक पीयूष जैन ने बताया कि सभी सदस्यों ने बगरू के प्राचीन मंदिर और जैन नसिया में विराजमान आचार्य नवीन सागर जी महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया एवं अध्यक्ष कुलदीप जी जैन (चोधरी) ने सबका स्वागत करके सबके लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था की।

जयपुर जिला जूनियर (यू-19) ओपन एवं गर्ल्स चेस चैम्पियनशिप 2025 का पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर ग्रेटर नगर निगम की महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर ने आज आगामी ''जयपुर जिला जूनियर (यू-19) ओपन एवं गर्ल्स चेस चैम्पियनशिप 2025'' का पोस्टर विमोचन किया। यह आयोजन जयपुर चेस अकादमी एवं जयपुर चेस क्लब द्वारा आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट को ऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि यह प्रतियोगिता 2 एवं 3 अगस्त 2025 को आयोजित की जाएगी। यह एक चयन प्रतियोगिता है, जिसके माध्यम से चयनित खिलाड़ी राजस्थान स्टेट जूनियर चेस चैम्पियनशिप 2025 में जयपुर का प्रतिनिधित्व करेंगे। जयपुर डिस्टिक चेस एसोशिएशन के उपाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि जयपुर निवासी खिलाड़ी जिनका जन्म 01/01/2006 या उसके बाद हुआ हो वो ही टूर्नामेंट में भाग ले सकेंगे। कुल राउंड 7 राउंड होंगे। टाइम कंट्रोलः 30 मिनट + 10 सेकंड प्रति चाल, इनामी राशिः ₹15,000 नगद + ट्रॉफी एवं मेडल्स, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथिः 27 जुलाई 2025 यह टूर्नामेंट सेंट सोल्जर पब्लिक स्कूल सी स्कीम जयपुर में आयोजित होगा। पोस्टर विमोचन समारोह के दौरान महापौर सौम्या गुर्जर जी ने बच्चों को खेलों में भाग लेने और मानसिक विकास के लिए शतरंज जैसे खेलों को अपनाने की प्रेरणा दी।

जीवन रूपी गाड़ी में ज्ञान की बैट्री ओर क्रिया रूपी बेक्र जरूरी: कुमुदलताजी म.सा.

सुभाषनगर स्थानक में महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. के सानिध्य में चातुर्मासिक मंगल प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हम संसार से मुक्ति की कामना तो करते है पर श्रावक के 12 व्रत भी ग्रहण नहीं करते है। व्रतधारी श्रावक बने बिना संसार सागर से पार नहीं हो सकते। इन बारह अणुव्रत को अंगीकार करने के बाद ही मुनियों से दीक्षा ले सकते है। जब तक जीवन में इन अणुव्रतों के रूप में मयार्दाएं नहीं आएगी तब तक वह पवित्र नहीं बन सकता। मयार्दाओं का त्याग करने पर विनाश होता है। ये विचार अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. ने मंगलवार को आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने श्रावक के 12 व्रतों की चर्चा करते हुए कहा कि जब तक व्रतों को ग्रहण नहीं करते अणुव्रत को स्पर्श नहीं कर सकते। बारह व्रत लिए बिना पंच महाव्रतधारी भी नहीं बन पाएंगे ओर देवलोक नहीं मिल पाएगा। साध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने कहा कि परमात्मा ने जीवन रूपी गाड़ी तो दी है पर जब तक ज्ञान की बैट्री ओर क्रिया रूपी बेक्र नहीं होंगे यह गाड़ी चलेगी नहीं। जीवन में ज्ञान की प्राप्ति अहंकार का त्याग करने पर ही होगी। हमारी छोटी-छोटी क्रिया भी कर्मो का बंध करती है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को अनुष्ठान में भगवान पार्श्वनाथ की आराधना होगी। यह आराधना हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है ओर इसका क्या प्रभाव होता है इसके बारे में बुधवार को प्रवचन में चर्चा होगी। स्वर साम्राज्ञी महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा. ने प्रेरणादायी भजन ''जगत में कोई नहीं परमानेंट'' की प्रस्तुति दी।

प्रवचन के शुरू में विद्याभिलाषी साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. ने सुखविपाक सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि हमे निरन्तर जिनवाणी श्रवण करते रहना चाहिए। वितराग वाणी सुनने से कभी तो जीवन में परिवर्तन आएगा। सुबाहुकुमार जैसी वह आत्मा धन्य है जो परमात्मा के दर्शन करती है। हम भी अपनी आत्मा के मूल स्वरूप को पहचान जाए तो परमात्मा के दर्शन हो सकते है। चातुर्मास में महासाध्वी मण्डल की प्रेरणा से त्याग तपस्याओं का दौर निरन्तर जारी है। धर्मसभा में सुश्राविका मनोहरदेवी बिलवाड़िया ने 6 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए तो अनुमोदना में हर्ष-हर्ष के जयकारे गूंज उठे। कई श्रावक-श्राविकाओं ने बेला,उपवास,आयम्बिल, एकासन, तप के प्रत्याख्यान भी लिए। अतिथियों का स्वागत आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति एवं सुभाषनगर श्रीसंघ के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। धर्मसभा का संचालन चातुर्मास समिति के सचिव राजेन्द्र सुराना ने किया। धर्मसभा में भीलवाड़ा शहर एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे। नियमित चातुर्मासिक प्रवचन सुबह 8.45 से 10 बजे तक हो रहे है।

सफलता केवल बुद्धि और परिश्रम से नहीं, बल्कि निर्मल मन और आचरण से मिलती है: उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। सफलता केवल बुद्धि और परिश्रम से ही नहीं, बल्कि निर्मल मन और सदाचरण से प्राप्त होती है। मंगलवार को शांतिभवन में आयोजित धर्मसभा में उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने अपने संबोधन में यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति हर कार्य में समर्पण और ईमानदारी का भाव रखता है, तो लोग सहज ही उस पर भरोसा करने लगते हैं और परिस्थितियां भी उसका साथ देती हैं। ऐसी सफलता केवल बाहरी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि व्यक्ति को आंतरिक शांति और संतोष भी प्रदान करती है। महासती विद्याश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि जो व्यक्ति केवल स्वयं के सुख और इच्छाओं के बारे में सोचता है, उसका जीवन मोह, अहंकार और सीमित आकांक्षाओं में उलझकर रह जाता है। स्वार्थ से भरा मन कभी भी परमार्थ की दिशा में आगे नहीं बढ़ सकता। साध्वी हर्षश्री और साध्वी जयश्री ने कहा कि मनुष्य का जीवन एक साधना है। हर क्षण को साधना के रूप में जीना चाहिए। सेवा, संयम और समर्पण के साथ ही जीवन को सार्थक और आत्मिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने एकासन, आयंबिल, उपवास आदि व्रतों का साध्वीवृंद से प्रत्याख्यान लिये। श्रीसंघ के मंत्री नवरतनमल भलावत ने जानकारी दी कि धर्मसभा में विभिन्न क्षेत्रों से पधारे सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। रात्रि में आयोजित नवकार महामंत्र जाप के तेरहवें दिवस पर सम्पूर्ण शहरवासियों ने सामूहिक रूप से जाप में भाग लिया। जाप को सफल बनाने में शांतिभवन संघ , चातुर्मास समिति, शांति जैन महिला मंडल, महावीर युवक मंडल और जाप आयोजन समिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करते हुए व्यवस्था में सहयोग दिया। **प्रवक्ता : निलिप्का जैन**

एनीमिया जांच शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत विकास परिषद शाखा आदर्श नगर जयपुर द्वारा स्वास्थ्य पहल के तहत एनीमिया जांच शिविर के चौथे चरण का आयोजन आज गीता बजाज बाल मंदिर विद्यालय में किया गया जिसमें विद्यालय के 175 से अधिक छात्र छात्राओं ,अध्यापक,अध्यापिकाओं के एनीमिया जांच की गई। शाखा अध्यक्ष सुनील ब्योत्रा ने बताया कि शाखा द्वारा इस तरह के जांच शिविर लगातार भिन्न-भिन्न स्कूलों में लगाए जा रहें हैं जिसमें बच्चों की एनीमिया की जांच की जा रही है साथ ही शिविर में राजकीय चिकित्सालय तिलक नगर जयपुर द्वारा एनीमिक बच्चों को निशुल्क दवा वितरित की जा रही है। कार्यक्रम में स्कूल प्रधानाचार्य प्रभाकर झा जी द्वारा सभी का धन्यवाद दिया गया। डॉक्टर राजीव जैन व डॉक्टर सुचिता वत्सल भी उपस्थित थे।

हरियालो राजस्थान एमजीजीएस रायपुर ने महावीर पार्क में किया वृहद वृक्षारोपण

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

हरियालो राजस्थान अभियान में पूर्ण सहयोग देने के लिए महावीर इन्टरनेशनल शाखा, रायपुर के तत्वाधान में भगवान महावीर पार्क रायपुर में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा संस्था प्रधान नवीन कुमार बाबेल के निर्देशन व शिक्षक कैलाश रावल, पवन कुमार काबरा के सहयोग से मंगलवार को वृहद वृक्षारोपण किया गया। संरक्षक कन्हैयालाल बोरदिया ने बताया कि कार्यक्रम के अतिथि पीईईओ रायपुर रमेश चांवला, दीपाली लखावत प्रिंसिपल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुर, संस्था प्रधान एमजीजीएस रायपुर नवीन कुमार बाबेल,भानाशाह लहरू लाल कुमावत, नंगजी माली, पूर्व सरपंच रायपुर पुष्पा सुखलेचा, राधेश्याम काबरा, जानकीलाल त्रिपाठी, कैलाश रावल, पवन कुमार काबरा आदि उपस्थित थे।

जयपुर के 9 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल ने चांदखेडी में किये मुनि विशद सागर महाराज, कोटा में आचार्य प्रज्ञा सागर मुनिराज एवं गणिनी आर्यिका 105 विभाश्री माताजी ससंघ के दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में आयोजित 9 दिवसीय धार्मिक बस यात्रा में शामिल यात्रियों ने चांदखेडी एवं कोटा में दिगम्बर जैन मंदिरों के दर्शन के बाद आचार्य - मुनि - आर्यिका संघों के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर आसपास का क्षेत्र भक्तिमय हो गया। यात्रा दल के संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि पद यात्रा संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं यात्रा दल के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल के नेतृत्व में गये 170 यात्रियों के जत्थे में शामिल पुरुष यात्रियों ने दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चांदखेडी में शुद्ध केसरिया वस्त्र धारण कर जयकारों के बीच मूलनायक भगवान आदिनाथ की पद्यमासन प्रतिमा के अभिषेक, शांतिधारा कर पुण्यार्जन किया। संयोजक सुरेश ठोलिया एवं मनीष लुहाड़िया के मुताबिक प्रातः श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चन्द्रोदय अतिशय क्षेत्र चांदखेडी में भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा का पुण्यार्जन किया गया। दोपहर में संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर मुनिराज के शिष्य मुनि विशद सागर महाराज, विभोर सागर महाराज, शिव सागर महाराज एवं ऐलक वैराग्य सागर के वर्ष 2025 के वर्षा योग मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम में झण्डारोहण पश्चात आचार्य विद्या सागर मुनिराज के चित्र का अनावरण किया गया। इससे पूर्व श्रीफल भेट कर मुनि संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। कोटा के विज्ञान नगर दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी ससंघ के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर मंदिर कमेटी की ओर से संरक्षक सुभाष चन्द जैन, मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल, संयोजक सुरेश ठोलिया, विनोद जैन कोटखावदा, मनीष लुहाड़िया, जिनेन्द्र जैन, शकुन्तला पाण्डया, दीपिका जैन कोटखावदा, उषा दीवान, मंजू जैन, मैना गंगवाल, मोना बाकलीवाल आदि का स्वागत व सम्मान किया ।पूजनीया माताजी ने अपने आशीर्वचन में जैन संस्कृति की रक्षा एवं धर्म प्रभावना बढाने के लिए धार्मिक पद यात्राओं एवं धार्मिक यात्राओं को महत्वपूर्ण साधन बताया। उन्होंने पदयात्रा संघ की गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए सभी यात्रियों को निर्विघ्न यात्रा के लिए आशीर्वाद दिया। इस मौके पर अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैनराजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा प्रकाशित महावीर जयंती स्मारिका भी माताजी को भेट की गई। कोटखावदा, कोषाध्यक्ष अमर चन्द दीवान खोराबीसल के नेतृत्व में तत्पश्चात यात्रा दल कोटा के महावीर नगर प्रथम स्थित प्रज्ञा लोक पहुचा जहां पर सायंकालीन भोजन के बाद आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित आनन्द यात्रा कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। आचार्य श्री ने पदयात्रा संघ द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए धार्मिक यात्रा का आयोजन कर वृद्ध जनों को तीर्थ क्षेत्रों की यात्रा करवाने, दिगम्बर जैन साधु संतों के दर्शन लाभ दिलाने के लिए पदयात्रा संघ के पदाधिकारियों को श्रवण कुमार की उपाधि देते हुए उन्हें इस तरह की यात्राए तथा पद यात्राओं के निर्विघ्न आयोजन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, कोषाध्यक्ष अमर चन्द दीवान खोराबीसल के नेतृत्व में राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा महावीर जयंती पर प्रकाशित महावीर जयंती स्मारिका भी आचार्य श्री एवं चातुर्मास कमेटी के लोकेश जैन शीशवाली को भेट की गई। इस मौके पर चातुर्मास कमेटी की ओर सुभाष चन्द जैन, अमर चन्द दीवान खोराबीसल,सुरेश ठोलिया, विनोद जैन कोटखावदा, मनीष लुहाड़िया, जिनेन्द्र जैन, वैधराज अशोक गोधा, सुमन गोधा, शकुन्तला पाण्डया, दीपिका जैन कोटखावदा, ऊषा दीवान, मंजू जैन आदि का माल्यार्पण, दुपट्टा व पगड़ी लगाकर सम्मान किया गया। इस मौके धार्मिक प्रश्न मंच के सही जवाबों पर आचार्य श्री द्वारा पुरस्कृत किया गया। अन्त में श्री जी एवं आचार्य श्री की आरती का पुण्यार्जन समाज श्रेष्ठी मोती लाल पापडीवाल चौमू वालों ने किया। रात्रि में सभी यात्रियों ने चम्बल नदी पर रिवर फ्रंट का भ्रमण किया।

पाप के साथ ज़िंदा रहने से क्या मतलब है धर्म के साथ एक कदम चले तो मिशाल बन गये : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

जिले के चिकित्सक का दल पहुंचा गुरु चरणों में, जिज्ञासा समाधान में चिकित्सकों को मिला अवसर

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। पाप के साथ ज़िंदा रहने से क्या मतलब है धर्म के साथ कुछ कदम चल दिया तो वह मिशाल वन जातें हैं अंग्रेजो के समय अपना हक मांगने वाले ज्यादातर लोग शहीद हुए हमारे शहीदों ने अपनी मां के हक के लिए इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाते हुए अपने प्राणो का विसर्जन कर दिया ऐसे ही आर्चाय शान्ति सागर जी महाराज को आगे नहीं जाने दिया तो वे वीच चौराहे पर खड़े हो गए हम कानून तो नहीं छोड़ेंगे लेकिन पीछे नहीं हटेंगे आजादी के लिए पहला कदम मंगल पांडे ने बढ़ाया तव एक कदम चलना मुश्किल था मंगल पांडे सात कदम चला देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर गया वो भले मर गया लेकिन जो आजादी का दीप उसने जलाया वह किसी ना किसी दिल को प्रकाशित करता रहा आज हम आजादी छांव में सांस ले रहे हैं इसे हम भूंजा ये या जलाये इससे कोई मतलब नहीं है लेकिन हम हाथ तो लगायेंगे उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किया।

हमारे स्वास्थ्य की चिंता संत जनों को करनी पड़ रही है

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव को हमारे स्वास्थ्य की चिंता है आप स्वस्थ रहें निरोग हो इसके लिए विभिन्न स्वस्थ मुद्राओ का ध्यान किया जाता है इन स्वस्थ मुद्राओ के माध्यम से असाध्य बीमारियो से वचा जा सकता है इसके लिए एक स्वस्थ मुद्राओ से युक्त पुस्तक का विमोचन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद दारा किया गया जिसमें सभी मुद्रा ओ को दशार्या गया है इस पर आने वाले रविवार को दोपहर डेढ़ बजे से एक लिखित प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को दो वर्गों में बांट गया है पन्द्रह बरस से कम और ऊपर वाले को दुसरी श्रेणी में रखा गया है सभी विजेताओं को कमेटी द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि संसार में सबसे बड़ी शक्ति कोई है तो आत्म शक्ति निज शक्ति जागरण के लिए एक बार आत्म शक्ति जाग गई तो तीन लोक इधर का उधर हो सकता लेकिन निज शक्ति वाला सदा ऊपर तैरता रहेगा निज शक्ति जागरण मन से सुरू करते हैं थोड़ी थोड़ी बात पर टेनसन मत करना कल कहां था कोई बात नहीं वो तुम्हारा बुरा सोच रहा है कोई बात नहीं हर काम में कोई बात नहीं ये सूत्र अपने जीवन में उतर ले उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण जी ने शिशुपाल को सौ बार तक माफ किया हम भी कोई बात नहीं कितनी बड़ी विपदा आ जायें आपको घबराहट नहीं होगी कोई बात नहीं पार्श्वनाथ के साथ कमठ के जीव ने इतना गलत किया इतना गलत किया इतने करने के वाद घर मनाने गया तो बारह मन की सिला पटक दी कोई बात नहीं दस भव तक उसमें भी पार्श्वनाथ इतने ताकतवर होने पर समर्थवान व्यक्ति कह रहा है कह रहा है कोई बात नहीं। कई बार धन्धे में नुकसान हो जाता है कव तक कह सकते हैं उस समय भी तुम्हारे मुंह से निकल जायें कोई बात नहीं तो ये ही मंत्र वन जायेगा बस इतना होते ही सुली सिंहासन में बदल जायेगी। उन्होंने कहा कि पाप के साथ ज़िंदा रहने से क्या मतलब है धर्म के साथ कुछ कदम चल दिया अंग्रेजो के समय अपना हक मांगने वाले ज्यादातर लोग शहीद हुए हम अपनी मां के इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाते हुए अपने प्राणो का विसर्जन कर दिया ऐसे ही आर्चाय शान्ति सागर जी महाराज को आगे नहीं जाने दिया तो वे वीच चौराहे पर खड़े हो गए। हम कानून तो नहीं छोड़ेंगे लेकिन पीछे नहीं हटेंगे संसार में सबसे बड़ी शक्ति कोई है तो आत्म शक्ति निज शक्ति जागरण के लिए एक बार आत्म शक्ति जाग गई तो तीन लोक इधर का उधर हो सकता लेकिन निज शक्ति वाला सदा ऊपर तैरता रहेगा निज शक्ति जागरण मन से सुरू करते हैं थोड़ी थोड़ी बात पर टेनसन मत करना कल कहां था कोई बात नहीं।

संघ ही सर्वोपरि, संघ से बड़ा कोई नहीं: युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी

जन्म जयंती पर पनवेल जैन समाज के प्रत्येक व्यक्ति ने एकासन किया

पनवेल. शाबाश इंडिया

आचार्य सम्राट आनंद ऋषिजी महाराज की जन्म जयंती के छठे दिवस मंगलवार को उपाध्याय केवल मुनि जी महाराज की जन्म जयंती भी श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी म.सा. के सान्निध्य में सामूहिक एकासन व गुणगान के साथ श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने कहा संघ ही सर्वोपरि है। संघ है तो संयम है, संघ है तो साधना है। बिना संघ के व्यक्ति कुछ भी नहीं है। जिस प्रकार राष्ट्र होता है तो व्यापार, परिवार और सुरक्षा कायम रहते हैं, उसी प्रकार जब संघ होता है तो साधक और साधना का अस्तित्व बना रहता है। संघ से बड़ा कोई नहीं हो सकता। उन्होंने अफसोस व्यक्त करते हुए कहा कि आज कुछ लोग छोटे-छोटे मतभेदों के कारण संघ और संतों के बीच फूट डालने का प्रयास कर रहे हैं। यह त्याग की मूल भावना के विपरीत और अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। व्यवस्थाओं में भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन किस बात का घमंड और अहंकार? यह सब यहीं का यहीं रह जाने वाला है। कोई भी व्यक्ति संघ से बड़ा नहीं हो सकता। युवाचार्यश्री ने कहा कि जिस तरह हमारा देश राष्ट्र निर्माण की कल्पना के साथ नई ऊँचाइयों को छू रहा है, उसी तरह धर्म के क्षेत्र में भी हमें एकजुट रहना चाहिए। लेकिन आज चिंता और पीड़ा का विषय है कि हमारे लोग ही समाज में विघटन फैलाने वाले असामाजिक तत्वों का साथ दे रहे हैं। श्रमण संघ की गौरवशाली परंपरा को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा संघ कमजोर परंपराओं से नहीं बना। जिन्होंने इसे खड़ा किया, उनके संयम, साधना, गुरु-भक्ति और समर्पण अद्वितीय थे। हजारों-हजारों भक्तों द्वारा भगवान की तरह पूजित होने के बावजूद जब संघ की बात आई तो उन्होंने निसंकोच अपने पद त्याग दिए और संघ को सर्वोपरि माना। उन्होंने चेताया कि अहंकार और घमंड रखने वाला व्यक्ति जीवन में कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकता। जब प्रकृति दंड देती है, तब वह अकेला रह जाता है। माउंट एवरेस्ट का उदाहरण देते हुए युवाचार्यश्री ने कहा सैकड़ों लोग शिखर पर चढ़ते हैं और झंडा गाड़ते हैं, लेकिन अंततः सबको नीचे उतरना ही पड़ता है। इसलिए विनम्रता और समर्पण ही सार्थकता है। संघ सर्वोपरि है इसी भावना को जीवन में उतारें और बिखराव के बजाय एकजुटता को बढ़ावा दें। सभा का संचालन रणजीत काकरेचा ने किया। उन्होंने जानकारी दी कि जन्म जयंती के अवसर पर युवाचार्य प्रवर की प्रेरणा से पनवेल जैन समाज के प्रत्येक परिवार ने सामूहिक रूप से एकासना का प्रत्याख्यान लिया। चिचवड़ से पधारी बहन ने 12 उपवास का प्रत्याख्यान ग्रहण किया। सामूहिक एकासन कार्यक्रम का लाभ अशोक लालचंद बोहरा परिवार ने लिया।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा
स्वर्गीय श्री संजय कुमार जैन बोली वाले
की पुण्य स्मृति में
श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति
बालिका छात्रावास में प्रातः भोजन करवाया जायेगा

बुधवार, 23 जुलाई 2025 प्रातः 10.00 बजे से
स्थान : श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान
(बालिका छात्रावास) सांगानेर, जयपुर

सहयोग : श्रीमती ममता धर्मपत्नी स्व. संजय जैन
श्री राजेश कुमार जैन- श्रीमती अंशु
संचय, अरहं शाह (बोली वाले)

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
अध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका
सचिव राजेश-रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष : दिलीप-प्रमिला पाटनी

90 वर्ष प्राचीन संस्था दिगम्बर जैन परिषद आगरा के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

जगदीश प्रसाद जैन सम्पादक पुनः बने अध्यक्ष

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

आगरा। नगर के दिगम्बर जैन समाज की 90 वर्ष प्राचीन संस्था दिगम्बर जैन परिषद के निर्विरोध निर्वाचन में जगदीश चंद जैन संपादक अध्यक्ष, मनीष जैन ठेकेदार महामन्त्री, निर्मल कुमार जैन मोठ्या कार्याध्यक्ष एवं राकेश जैन पर्दा को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार चुनाव अधिकारी डॉ. राजीव जैन ने आज नवीन निर्वाचित कार्यकरिणी की निम्नानुसार घोषणा की अध्यक्ष-जगदीश प्रसाद जैन सम्पादक, कार्याध्यक्ष- निर्मल कुमार जैन मोठ्या (मनोनीत), महामन्त्री मनीष जैन ठेकेदार, अर्थमन्त्री- राकेश जैन पर्दा, उपाध्यक्ष (परिषद) राजेन्द्र जैन एडवोकेट, उपाध्यक्ष- (मुनि त्यागी व्यवस्था) महीपाल सिंह जैन, उपाध्यक्ष (मन्दिर) दीपक जैन (मसाला), उपाध्यक्ष (विद्धालय) मनोज कुमार जैन बल्लो छीपीटोला, संगठन मन्त्री-अनिल जैन रईस, संगठन मन्त्री- सतेन्द्र जैन साहूला, उपमन्त्री-अनन्त जैन, विमल जैन, विद्धालय प्रबन्धक- विवेक जैन (चैम्बर औफ कोमर्स), विद्धालय उप प्रबन्धक- मनीष जैन लवली, मन्दिर मन्त्री- सुशील जैन नसिया, मन्दिर उप मन्त्री-दीपक जैन, भन्डारी- रमेश चन्द जैन नायक, हिसाब निरिक्षक- अनुज जैन क्रान्ति, हिसाब निरिक्षक- महेश जैन रइक मन्त्री मुनि त्यागी- पवन जैन चांदी, उप मन्त्री मुनि त्यागी-सुबोध जैन पाटनी, कार्यालय मन्त्री - सुभाष जैन बन्टी, प्रचार मन्त्री -आशीष जैन मोनू, मन्त्री भवन निर्माण समिति-निशु जैन, संयोजक/चेयरमैन चैरिटेबल कार्य- रोहित जैन अहिंसा, संयोजक/ चेयरमैन धार्मिक प्रभावना समिती- मुरारीलाल जी जैन छीपीटोला, संयोजक/चेयरमैन विवाह समिति अनिल आदर्श जैन। उपरोक्त समेत 51 सदस्य परिषद कार्यकारिणी मे व लगभग 40 सदस्य उपसमिति मे चयनित कीये गये एवं आगामी दिनों मे लगभग 20 उपसमिति सदस्य और मनोनीत कीये जायेंगे। डा जितेन्द्र जैन ने बताया

कि उपरोक्त चयन के लिए सभी समाजों की संयुक्त कोर कमेटी प्रदीप जैन PNC, भोलानाथ जी सिंघई, विमल जैन मारसन्स, अखिल बारोलिया, मनोज जैन बांकलीवाल, पारस बाबू जैन व पुष्पेन्द्र जैन का सहयोग रहा, विशेष सहयोग राकेश जैन पार्षद का रहा। कार्यक्रम के अन्त मे सम्पूर्ण समाज की ओर से प्रदीप जैन PNC ने सभी निर्वाचित पदाधिकारीयो, कार्यकारिणी, उपसमिती सदस्यों को बधाई दी एवं बिना किसी पन्तवाद, सन्तवाद के एक जुट होकर समाज सेवा व राष्ट्र सेवा मे जुट जाने का आम्हान किया।उन्होंने चुनाव अधिकारी डा राजीव जैन, व चुनाव संयोजक संजय जैन को एक माह लम्बी चुनावी प्रक्रिया को निर्विवादित रूप से सम्पन्न कराने हेतु धन्यावाद व बधाई प्रेषित की।

आत्मा से परमात्मा बनने का मार्ग ही वीतराग शासन है: आचार्य सुन्दर सागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मासरत आचार्य सुंदर सागर महाराज के सानिध्य में धर्म सभा का आयोजन किया गया। आचार्य श्री ने प्रवचन देते हुए कहा कि सम्यक चारित्र आत्मा का स्वरूप है जिसे कोई छीन नहीं सकता। व्यक्ति को आगे बढ़ना है तो बाह्य आडंबरों का परित्याग करना होगा । भगवान महावीर ने हमें वीतराग शासन प्रदान किया है वीतराग शासन से जीव जिनेंद्र बन सकता है अर्थात आत्मा से परमात्मा बनने का मार्ग ही वीतराग शासन है। भगवान महावीर ने हमें धर्म दिया है और धर्म वस्तु का स्वभाव है परंतु हमने उनके धर्म को पंथ और संप्रदाय में बांटकर धर्म की गलत परिभाषा स्थापित कर दी हमें धर्म के मूल गुण का अनुसरण करना चाहिए पंथवाद संप्रदायवाद से ऊपर उठकर केवल और केवल भगवान महावीर की दिव्य देशना से स्थापित वीतराग शासन का अनुकरण कर मोक्ष मार्ग को प्रशस्त करना चाहिए। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं मंत्री मूल चन्द पाटनी ने बताया कि बुधवार, 23 जुलाई को प्रातः 8.15 बजे से धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा।